Shiv Shakti International Journal of Multidisciplinary and Academic Research
ISSN: 2278-5973 (Online) | Vol. 13, No. 5, (September 2025)
https://doi.org/10.5281/zenodo.17288498

कविता जगत के नए युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता

डॉ. सुभाष गौतम
मुक्त शिक्षा विद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

कविता आपके लिए क्या मायने रखती है? मुझे मानना होगा कि यह थोड़ा अजीब सवाल है क्योंकि कविता उन चीज़ों में से एक है जिन पर बहस नहीं होनी चाहिए। यह ऐसी चीज़ है जिसे महसूस किया जाना चाहिए, तर्क नहीं। फिर भी, मेरे लिए, कविता सिर्फ़ कागज़ पर लिखे शब्दों से कहीं बढ़कर है।

यह ध्यान देने और धीमे होने की लय ही है जो हमें रोज़मर्रा की ज़िंदगी में छिपे छोटे-छोटे अजूबों को देखने की अनुमति देती है। कविताओं में अर्थ और स्पर्श होता है: एक आवाज़ का स्पर्श और एक मन की प्रतिध्वनि। हाल ही तक यही स्थिति थी। हालाँकि, कविता ***कृत्रिम बुद्धि (एआई)*** के आगमन के साथ, हमें अपरिहार्य परिवर्तनों का सामना करना पड़ रहा है। सृजन के एक कार्य के रूप में कविता का विकास अब केवल मानव हाथों का नहीं है। बुद्धिमान एल्गोरिदम अब रेखाएँ और चित्र भी बनाते हैं, हृदयविदारक प्रश्न उठाते हैं, और पाठकों के मन को उत्तेजित करते हैं।

और यही वह चीज़ है जिससे हमें निपटना है। तो, आइए एआई साहित्य के बारे में और जानें और क्या मानव-लिखित कविता भविष्य में कोई स्थान पाएगी।

लोग कविताएँ क्यों पढ़ते हैं

चलिए सबसे ज़रूरी बात से शुरू करते हैं: हम कविता की ओर क्यों रुख करते हैं? सच कहूँ तो, इसकी वजह कविता नहीं है। हम दूसरों के अनुभवों से जुड़कर अपने और अपने जीवन के बारे में और जानना चाहते हैं। एक कविता हमें एक अजनबी के आंतरिक वातावरण में प्रवेश कराती है और उस पहचान में, हम अपने आप को मापते हैं। जब मैं मैरी ओलिवर का कोई संग्रह खोलती हूँ, तो मैं उसमें एक आदर्श रूप नहीं खोजती; मैं उसकी आवाज़ खोजती हूँ, जिस तरह वह साधारण चीज़ों को उन अनुभवों में बदल देती है जिनका आप हिस्सा बनना चाहते हैं।

यहाँ **मैरी ओलिवर** की आवाज़ का एक अंश है:
क्या आपने कभी अपने जीवन में कुछ ऐसा देखा है
जो उससे भी ज़्यादा अद्भुत हो
जिस तरह सूरज,
हर शाम,
आराम से और सहजता से,
क्षितिज की ओर तैरता है...

Corresponding Author: Dr. Subhash Gautam, gautamsubhash74@gmail.com

उसके शब्द समय का विस्तार करते हैं।

अब, आइए इसी विषय पर एक कृत्रिम बुद्धि (एआई) द्वारा निर्मित कविता के उदाहरण से तुलना करें:
सूरज धीरे-धीरे बहता है,
आसमान को मंद पड़ती आग से रंगता है,
प्रकाश का एक पैटर्न
प्रतीक्षारत समुद्र में विलीन होता है।

अंतर सूक्ष्म होते हुए भी स्पष्ट है। ***मैरी ओलिवर*** स्मृतियों के भार, प्रकाश को देखते हुए बिताए दशकों की आत्मीयता के साथ लिखती हैं। एआई छवियों को सुंदरता से सजाता है, लेकिन उसे यह नहीं पता कि दुःख के बाद भोर का इंतज़ार करना या प्रेमी का हाथ अपने हाथों में लेकर क्षितिज का साक्षी बनना क्या होता है।

यही वह अंतर है जो एआई साहित्य के मूल में निहित है।
कविता हमें समृद्ध करे, और कविता के पीछे कोई ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो ऐसा करे। इस व्यक्ति के पास ऐसा जीवन अनुभव होना चाहिए जिससे मैं, एक पाठक के रूप में, जुड़ सकूँ, जो जादुई रूप से मेरे जीवन में महत्व भर दे। प्रतीकों के माध्यम से व्यक्त किसी और के अनुभवों के माध्यम से, मैं स्वयं को और अपने आत्म-मूल्य को देखता हूँ।

लेकिन एआई के पास क्या है? ***क्या यह सचमुच एक इंसान जैसा जीवन जीता है?*** शायद ही, ***क्या एआई द्वारा लिखी गई कविताओं की विषयवस्तु मेरे इरादों से मेल खा सकती है? क्या मैं एआई कविता के पीछे के प्रतीकवाद का सामना करके खुद को बेहतर ढंग से समझ सकता हूँ?***

ज़ाहिर है नहीं। लेकिन क्या होगा अगर आपको पता ही न हो कि कोई कविता एआई द्वारा रची गई है? यही तो चाल है। यद्यपि इसे पहचाना जा सकता है (सबसे बढ़कर, महसूस किया जा सकता है)।

कविता और पैटर्न: व्यापक एआई संदर्भ

एआई द्वारा लिखी गई कविताएँ कहाँ उपयुक्त हैं, यह समझने के लिए, हम देख सकते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अन्य क्षेत्रों में कैसे काम करता है। **आजकल व्यवसाय** ग्राहक व्यवहार में पैटर्न को पहचानने और ज़रूरतों का अनुमान लगाने के लिए **सीआरएम सिस्टम** में **कृत्रिम बुद्धि (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)** का उपयोग करते हैं। जिस तरह एआई संचालित सीआरएम अनगिनत बातचीत में छिपे तर्क को पहचानता है, उसी तरह कविता में एआई छंदों के विशाल संग्रह से सीखता है, और उन शब्दों का अनुमान लगाता है जो एक-दूसरे से मेल खाते हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि सीआरएम और कविता में एआई एक ही है। लेकिन यह संबंध दर्शाता है कि एआई दुनिया को कैसे देखता है: भावनाओं के परिदृश्य के रूप में नहीं, बल्कि संभावनाओं के मानचित्र के रूप में। जहाँ हम क्षितिज को एक वादे के रूप में देखते हैं, वहीं एल्गोरिथम उसे डेटा बिंदुओं के रूप में देखता है।

फिर भी, ये डेटा बिंदु कभी-कभी गाते हैं।

डिजिटल साहित्य का नया युग

जब हम कहते हैं कि हम डिजिटल साहित्य के एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं, तो हमारा यही मतलब होता है। अब हमें कविताएँ सिर्फ़ छपी हुई किताबों या कॉफ़ीहाउस में आयोजित पाठों में ही नहीं मिलतीं। आज कविताएँ चमकती स्क्रीनों, सोशल मीडिया पर साझा की जाने वाली छोटी पंक्तियों, वीडियो, आवाज़ और एल्गोरिथम के मिश्रण से बने इंटरैक्टिव अंशों के रूप में आती हैं। एआई इस बदलाव में योगदान देता है, लेखकों को न केवल प्रतिस्पर्धा बल्कि सहयोग भी प्रदान करता है।

कुछ कवि एआई को एक सहयोगी के रूप में उपयोग करते हैं, उसे अंश देते हैं, देखते हैं कि क्या वापस आता है, और फिर उन शब्दों को अपनी अनूठी शैली में ढालते हैं।

कविता जगत में AI की संभावित भूमिकाएँ

सीधे शब्दों में कहें तो, हमें कविता में AI से डरना नहीं चाहिए। दरअसल, हम इस उपकरण का इस्तेमाल, मान लीजिए, तेज़ी से काम करने के लिए कर सकते हैं। यहाँ कुछ तरीके दिए गए हैं जिनसे AI हमारी मदद कर सकता है:

- ***सह-रचनाकार***: AI जटिल पंक्तियों को पूरा करने और चित्र व विचार सुझाने में मदद कर सकता है। संक्षेप में, यह उपकरण कविता की गुणवत्ता में सुधार करता है और लेखन प्रक्रिया को तेज़ करता है।
- ***पुरालेखपाल***: प्रेरणा और अध्ययन के लिए पिछली शताब्दियों की रचनाओं को इकट्ठा करने और वर्गीकृत करने के लिए पुरालेखों में दिन बिताने के बजाय, AI यह आपके लिए कर सकता है।
- ***अनुवादक***: AI किसी भी भाषा में कविता का अनुवाद करने में माहिर है। उदाहरण के लिए, यह कुछ ही सेकंड में आपकी कविता का चीनी या आयरिश बोली में अनुवाद कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि AI आपके काम की बारीकियों को सुरक्षित रखता है ताकि उसे मशीनी अनुवाद की तरह न पढ़ा जाए।
- ***सहयोगी या उत्तेजक***: AI सिर्फ़ आपके लिए काम नहीं करता। सही दृष्टिकोण के साथ, यह एक ऐसा साक्षात्कारकर्ता बन सकता है जो असहज प्रश्न पूछता है और आपको अधिक व्यापक या अपरंपरागत तरीके से सोचने के लिए प्रेरित करता है।

इंसान अब भी क्या लेकर आते हैं

तो, ***हम मानव कवियों का क्या होगा?*** मेरा मानना है कि हमारी भूमिका और भी ज़रूरी हो जाती है। मशीनें जो नहीं कर सकतीं, वह है इंसानी ज़िंदगी जीना। वे न तो शोक मनाती हैं, न ही किसी बच्चे के गलत उच्चारण पर हँसती हैं, और न ही मौसम की पहली बर्फबारी पर अपनी साँसें रोक लेती हैं। वे यह नहीं जान पातीं कि किसी बीमारी से बच निकलने का, अचानक प्यार में पड़ने का, और खामोशी को बोझ की तरह ढोने का क्या मतलब होता है। कविता का विकास इसी अंतर से तय होगा। पाठक कृत्रिम बुद्धि (AI) द्वारा लिखी कविताओं का आनंद ले सकते हैं, लेकिन जब उन्हें गहराई की तलाश होगी - एक पंक्ति में जीवन की धड़कन - तो वे फिर भी मानवीय आवाज़ों की ओर रुख करेंगे।

निष्कर्ष: एक साझा भविष्य

कविता के लिए AI हमारा दुश्मन नहीं है। यह कवियों को मिटाने के लिए नहीं, बल्कि हमसे नए सवाल पूछने के लिए है। जैसे-जैसे AI से कविताएँ और परिष्कृत होती जाएँगी, पाठक वही चुनते रहेंगे जो उन्हें पसंद आए। कुछ लोग शब्दों की चतुराई से की गई व्यवस्था से संतुष्ट होंगे। कुछ लोग जीवन के अनुभव की कच्ची धार की तलाश करेंगे, जो केवल मनुष्य ही दे सकते हैं।

कवियों और लेखकों के रूप में, हमारे लिए आगे का रास्ता तकनीक का विरोध करना नहीं है, बल्कि अपनी कला को और गहरा करना है ताकि ऐसी रचनाएँ रची जा सकें जो स्पष्ट रूप से हमारी हों, जो दृष्टि, स्मृति और आत्मा से उपजी हों। कल का डिजिटल साहित्य मानवीय और मशीनी, दोनों तरह की आवाज़ों को समेटे हुए होगा, लेकिन कविता की असली परीक्षा अपरिवर्तित रहेगी: ***क्या यह हमें प्रभावित करती है? क्या यह हमें हमारी जीवंतता की याद दिलाती है?***

मेरा मानना है कि ऐसा होगा। और उस साझा स्थान में - एल्गोरिदम और धड़कन के बीच - कविता का भविष्य, उज्ज्वल और निडर, प्रतीक्षा कर रहा है।

मेटा विवरण: कविता हमेशा से जुड़ाव के बारे में रही है। अब, कविता की दुनिया में AI के साथ, डिजिटल साहित्य एक नए युग में प्रवेश कर रहा है जहाँ मानवीय और मशीनी आवाज़ें मिलती हैं।